

# नवयुग सामाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

## बहराइच से प्रकाशित

## एक सामाजिक दर्पण

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुखाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

# केरल में संघ की वार्षिक समन्वय बैठक

## भागवत-इंद्रेश कुमार बयान के बाद मतभेद के दावे सिरे से खारिज

# ਪੀਏਮ ਮੋਦੀ-ਮੇਲੋਨੀ ਕੇ ਬੀਚ ਹੁੰਡ ਦਿਪਕਾਰੀ ਵਰਤੋਂ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारतीय जनता पार्टी से मतभेद की खबरों के सिरे से खारिज किया है। सूत्रों का कहना है कि 31 अगस्त से केरल के पलक्कड़ में आर-एसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक शुरू होगी। बैठक में कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर-एसएस) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपने मतभेदों के दावों को सिरे से खारिज किया है। आरएसएस का कहना है कि इस तरह के दावे सिर्फ भ्रम पैदा करने के लिए किए जा रहे हैं। संघ के सूत्रों ने यह भी बताया कि केरल के पलक्कड़ में आरएसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक



राष्ट्रीय रघुवंशका संघ (आरएसएस) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपने मतभेदों के दावों को सिरे से खारिज किया है। आरएसएस का कहना है कि इस तरह के दावे सिर्फ भ्रम पैदा करने के लिए किए जा रहे हैं। संघ के सूत्रों ने यह भी बताया कि केरल के पलककड़ में आरएसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक 31 अगस्त से शुरू होगी। बताया गया है कि संघ के अध्यक्ष समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल होंगे। संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि भाजपा और आरएसएस के बीच किसी भी तरह का मनमुटाव नहीं है। बता दें कि इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने टिप्पणी की थी कि ह्यासच्चा सेवक सभी अहंका-री नहीं होता। इसके बाद से विपक्ष के नेताओं और कुछ लोगों ने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के संघ प्रमुख ने तल्ख संदेश दिया है। सूत्रों का कहना है कि भागवत के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। संघ प्रमुख की अहंकार वाली टिप्पणी प्रधानमंत्री या किसी भी भाजपा नेता के संदर्भ में नहीं थी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आम चुनाव के बाद अपनी पहली टिप्पणी में मणिपुर को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने मणिपुर के हालातों पर चिंता जताते हुए कहा था कि राज्य में संघर्ष को समाप्त करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता है। इसके साथ ही भागवत ने यह भी कहा था ह्याएक सच्चा सेवक मर्यादा बनाए रखता है, वह काम करते समय मर्यादा का पालन करता है। उसमें अहंकार नहीं होता। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किस पर निशाना साधा लेकिन इसके बाद आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के बयान से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। इंद्रेश कुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था ह्यजो पार्टी राम की पूजा करती थी, वह अहंकारी हो गई। 2024 के चुनाव में वह सबसे बड़ी पार्टी बन तो गयी, लेकिन जो उसे सत्ता मिलनी चाहिए थी, उसे भगवान राम ने अहंकार के कारण रोक दिया। इस बीच आरएसएस के एक पदाधिकारी का कहना है कि यह इंद्रेश कुमार की निजी राय है।

# झारखंड में बड़ा हादसा: ट्रेन में आग की अफवाह पर कुदे कई यात्री, चार लोगों की मौत

रांची। झारखंड के लातेहार में रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना पर कई यात्री कूद गए। जिस कारण वे एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। झारखंड के लातेहार में रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना पर कई यात्री ट्रेन से कूद गए। इस बजह से कई यात्री एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद एबुलेंस भी घटना स्थल पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक सासाराम-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस जैसे ही कुमंडीह स्टेशन के पास पहुंची तो ट्रेन में सवार किसी यात्री ने आग लगने की अफवाह फैला दी। इसके बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग डर के मारे ट्रेन से उतर भागने लगे। इस दौरान कुछ लोग विपरीत दिशा से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए। इस बजह से चार लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के घायल होने की सूचना है। हालांकि, इस घटना में किन्तु लोग घायल हुए हैं? इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक नहीं मिल सकती



है। इधर जैसे ही प्रशासन को इसकी सूचना मिली सभी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया। दूस हात्से के बाद स्टेशन में मौजूद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। रेलवे अधिकारी इस ट्रेन दुर्घटना के बाद हरकत में आ गए और मैके पर रवाना हो गए। वहीं, रेलवे पुलिस द्वारा स्थिति को निर्यातित करने की कोशिश की गई।

એવી કાર્યક્રમની પ્રદેશીકાર્યક્રમની વિસ્તારની વિધાની વિસ્તારની વિધાની

वर्लु उस्के बारा । इटली के पुगलिया में दक्षिणी इतालवी तटीय रिसॉर्ट बोर्गे एग्नाजिया में इन दिनों जी७ देशों का शिखर सम्मेलन हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए वहां हैं। जी७ शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन इटली पहुंचे पीएम मोदी ने वहां आउटरीच सत्र में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने शिखर सम्मेलन से इतर जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। इस दौरान उन्होंने रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की और रक्षा औद्योगिक सहयोग को और बढ़ाने की उम्मीद जताई। गैरतलब है कि जी७ आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री मेलोनी के निमंत्रण पर पीएम मोदी शुक्रवार सुबह इटली पहुंचे थे। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। दोनों के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता को लेकर विदेश मंत्रालय



ने एक बयान जारी किया है।  
इसमें बताया गया है कि दोनों  
नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा और  
सुरक्षा सहयोग पर चर्चा के  
साथ ही इस साल के आखिर  
में इतालवी विमानवाहक पोत  
आईटीएस कैवूर और प्रशिक्षण  
जहाज आईटीएस वेस्पुची की  
भारत यात्रा का स्वागत किया।  
वार्ता के दौरान मोदी ने द्वितीय  
विश्व युद्ध के दौरान इतालवी  
अभियान में भारतीय सेना के  
योगदान को मान्यता देने के  
लिए इतालवी सरकार को

धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि भारत इटली के मॉटोरों में यशवंत घाड़गे स्मारक को भी विकसित करेगा।

विदेश मंत्रालय ने बयान में यह भी बताया कि दोनों नेताओं ने नियमित रूप से होने वाली उच्च राजनीतिक वार्ता पर संतोष व्यक्त किया और भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। बढ़ते व्यापार और आर्थिक सहयोग पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की दम टैगड दोनों देशों के

बीच बढ़ते व्यापार और आर्थिक सहयोग पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। साथ ही लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए स्वच्छ ऊर्जा, विनिर्माण, अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, एआई और महत्वपूर्ण खनिजों में वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करने का आह्वान किया। इस संदर्भ में, उन्होंने औद्योगिक संपत्ति अधिकारों पर हाल ही में एक समझौता ज्ञापन पर दस्तावेज़ किया जाने

भी स्वागत किया। यह समझौका पेटेंट पर सहयोग के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। इस दौरान पीएम मेलोनी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पीएम को बधाई दी। पीएम मोदी ने जीर्ण आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के निमंत्रण के लिए पीएम मेलोनी को धन्यवाद दिया और शिखर सम्मेलन के सफल समापन के लिए उनकी सराहना व्यक्त की।

# गर्मी से उबला पुरा प्रदेश

47 डिग्री तक पहुंचा पारा, इन जिलों के लिए जारी हुई लू और भीषण गर्मी की चेतावनी

लाखनऊ आसमान से आग  
बरसाती धूप, चढ़ता हुआ  
पारा, झुलसा देने वाली लू  
से प्रदेश को फिलहाल राहत  
नहीं। शुक्रवार को भी प्रचंड  
गर्मी से लोगों को राहत मिलती  
नहीं दिख रही। मौसम विभाग ने  
कहा है कि अभी ऐसी ही गर्मी  
झेलनी होगी, मानसून भी अभी  
दूर है। शुक्रवार को प्रयागराज  
46.9 डिग्री के साथ प्रदेश में  
सर्वाधिक गर्म रहा। कानपुर  
में बहुत मामूली सा बदलाव  
रहा, यहां पर तापमान 46.7  
डिग्री और हमीरपुर 46.2  
डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के  
ज्यादातर शहर लू की चेपेट में  
रहे। मौसम विभाग के मुताबिक,  
अभी गर्मी से राहत के आसार  
नहीं हैं और मानसून के लिए



भी अभी इंतजार करना होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, 17 जून तक प्रदेश का मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। 25 से 35 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं। वहाँ पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ एक स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौल्डर्स पड़ सकती हैं। पर्टी

उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान के भी आसार जता रहा है मौसम विभाग। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री अधिक रहा। जबकि रात का पारा सामान्य से 6 डिग्री तक अधिक रहा। वाराणसी 45.9 लड्डगढ़ 45

सुल्तानपुर 45.4, फुरसतगंज  
 45.4, जांसी 45.6  
**यहां न्यूनतम तापमान 30**  
**के ऊपर**  
 इरदोई 32, कानपुर 34.4, इट-  
 वा 31.2, खीरी 31, वाराणसी  
 32, चुर्क 30.8, सुल्तानपुर  
 31.5, फुरसतगंज 31.4,  
 कतेहगढ़ 32.1, जांसी 31,  
 मुरादाबाद 31.4, मेरठ 31.2,  
 आगरा 32.7 डिग्री बांदा,  
 चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज,  
 कतेहपुर, मिजापुर, चंदौली,  
 वाराणसी, संत रविदास नगर,  
 गोरखपुर, संत कबीरनगर,  
 बस्सी, गोंडा, बहराइच, कानपुर  
 देहात, कानपुर नगर, मथुरा,  
 आगरा, फिरोजाबाद, इटावा,  
 औरेया, जालौन, हमीरपुर,  
 बहोबा।

**ADMISSION OPEN**

**M.B.A, B.B.A, B.Tech., M.Tech.**  
**Polytechnic Diploma, B.C.A.,**  
**M.C.A., D.J.M., B.J.M., M.J.M.**  
**B.A., M.A., B.Sc., M.Sc., B.com.**  
**M.Com., B.Lib., M.Lib., L.L.M.**  
**etc. Degree & Diploma Courses**

**C.M.S. & E.D., D.M.L.T.**  
**A.N.M., G.N.M.,**  
**B.Sc. (Nursing)**  
**D.Y.N.S., B.Y.N.S.**  
**N.D., M.D.**  
**D.Pharma, B.Pharma etc.**

Plz. Feel Free to Contact On : **9044973372. 8853259934**

**नवयुग समाचार (राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक)**

में आज ही अपना विज्ञापन बुक कराएं

खबर, विज्ञापन एवं जुड़ने  
के लिए संपर्क करें

**9984176988**  
**9044973372**  
**8853259934**

**मनीष सिंह**  
संपादक

**संजय त्रिपाठी**  
प्रबंध संपादक

प्रधान कार्यालय - मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच, उत्तर प्रदेश  
क्षेत्रीय कार्यालय - 144-ए, जयपकाश नगर, दिल्लौर, कानपुर नगर

## सम्पादकीय....

## आरएसएस के प्रति कम होता समर्पण भाग

संभवतः यह पहला चुनाव था, जिसमें भाजपा आलाकमान ने प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति तैयार करने तक में कहीं भी संघ से विचार विमर्श करना उचित नहीं समझा एसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी बीजेपी लीडरशिप से मिलने के लिये अपनी तरफ से कोई पहल नहीं की लोकसभा चुनाव में बीजेपी की उत्तर प्रदेश में जो फैजीहत हुई है, उसका ठीकरा एक-दूसरे के सिर फोड़ने की राजनीति के चलते राज्य में बीजेपी नेताओं के बीच आपसी वैमस्यता और गुटबाजी बढ़ती जा रही है। गुटबाजी का आलम यह है कि यह किसी एक स्तर पर नहीं, नीचे से लेकर ऊपर तक तो दिखाई पड़ ही रही है, इसके अलावा इसकी तपीश से दिल्ली भी नहीं बच पाया है। बाल्क राजनीति के कई जानकार और पार्टी से जमीनी स्तर से जुड़े नेता और कार्यकर्ता भी इस बात से आहत हैं कि अबकी से टिकट वितरण में खुब मनमानी की गई, जिसका खामियाजा पाटी को भुगतान पड़ रहा है। बात यहीं तक सीमित नहीं है सूत्र बताते हैं कि वितरण के मुख्यमंत्री योगी आदिवानाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इकट्ठ कंटवरे के तौर-तरीकों से आहत दिखाई दे रहा है। बस फक्त यह है कि यह लोग सार्वजनिक रूप से ऐसा कुछ नहीं बोल सकते हैं जिससे विषय को हमलावर होने का मौका मिल जाये। लोकसभा चुनाव में 80 की 80 सीटें जीतने का दावा करने वाली बीजेपी आधी सीटें भी नहीं जीत पाई। भाजपा की करीबी हार के पीछे खले ही कई कारण गिनाएं जा रहे हैं, पर संघ से दूरी भी एक बड़ी बजह मारी जा रही है।

यह पहला चुनाव था, जिसमें भाजपा आलाकमान ने प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति तैयार करने तक में कहीं भी संघ से विचार विमर्श करना उचित नहीं समझा। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी बीजेपी लीडरशिप से मिलने के लिये अपनी तरफ से कोई पहल नहीं की। आमतौर पर चुनाव में जमीनी प्रबंधन में सहयोग करने वाले संघ के स्वयंसेवक इस चुनाव में कहीं नहीं दिखे।

सुरेश सिंह  
बैस शास्त्र

लो आ गया एक और वृद्धजन दिवस, हर वर्ष की तरह फिर परपरागत रूप से समारोह और कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे और वृद्ध जनों को बुलाकर फूलों, मालाओं से लाद दिया जायेगा। उनके लिये बड़ी-बड़ी बातें एवं घोषणाएं की जायेंगी। बस इसके बाद फिर वही ढर्ड चलाना रहेगा लेकिन हकीकत में भारतीय समाज में कम से कम, यह तो देखा जा रहा है कि आम परिवारों में वृद्धों को वह सम्मान और सामाज्य जीवन की सुविधाएं नहीं मिल जाती हैं। लेकिन जब वे अपनी पा रही हैं जो उन्हें मिलना चाहिये, वह उनका अधिकार भी है। अपनी वृद्धावस्था और अशक्तता के कारण वे इस अन्यथा को चुपचाप बर्दशत करने को मजबूर जाये जा रहे हैं। इनके लिये आवाज उठाने वाली कोई संस्था वा व्यक्ति क्यों नहीं आगे आ रहे हैं? यह भी एक ताज्जुब का विषय है। आज साधारणतः संयुक्त परिवार बिखरते चले जा रहे हैं, आज की पीढ़ी जहां अपने पैरों में खड़ी होती हैं और विवाह होने के बाद मां बाप से अलग



## अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

होने की फिराक में लगे रहते हैं, उनसे अपर कुछ मिलने की उम्मीद रहती हैं या वे कुछ अथोर्पर्जन में लगे हैं, तब तब उनकी पूछ परख ठीक तरह से होती है। लेकिन जब वे अपनी वृद्धावस्था वा अशक्तता के कारण कार्य (अथोर्पर्जन) से रिटायर्ड हो जाते हैं। तभी से उनकी उपेक्षा घर में शुरू हो जाती हैं। आज सामाजिक, अर्थात् परिस्थितियों में तेजी से बदल रहे प्रतिमानों के कारण वे इस अन्यथा को चुपचाप बर्दशत करने को मजबूर जाये जा रहे हैं। इनके लिये आवाज उठाने वाली कोई संस्था वा व्यक्ति क्यों नहीं आगे आ रहे हैं? यह भी एक ताज्जुब का विषय है। आज साधारणतः संयुक्त परिवार उत्तरी ही तेजी से विघटन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। महिलाओं की अर्थात् स्वतंत्रता वही पुरुषों का इसे जब टकराता है तो परिवारों को अस्थिर होने में जरा भी समय नहीं लगता भारतीय परिवार की इस टूटन भरी त्रासदी के

फरामोश संताने उन्हें अपना बोझ समझकर ठुकराने पर तुल उठती है। यही कारण है कि अब वृद्धों के लिये वृद्धावस्था अभियाप्त बन गई है उनकी संताने ये क्यों भूल जाती हैं कि आज वे, जो वृद्ध हैं कभी वैसे अपना बचपन उन्हीं के सहारे गुजारे हैं, अब जब वे अकेले और निश्चिन्त हैं उन्हें जरूरत है सहारे की, वैसे भी वृद्धों को सामाजिक सुरक्षा दिलाने की व्यवस्था बनायें। उनके स्वास्थ्य संभवाओं के लिये निशुल्क चिकित्सा व्यवस्था की शुरूआत करनी चाहिये। सार्वजनिक यातायात में वृद्धों को छूट मिलानी चाहिये। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेशन योजना में सुधार करना होगा एवं वृद्धों को समुचित पेशन दी जानी चाहिये। उनके लिये आजीवन के लिये साधन भी उपलब्ध कराना होगा। यह सामाजिक संगठनों द्वारा वृद्धावस्था का उत्तरदायित्व है। आज की पीढ़ी अग्र इसी तरह वृद्धों को अनादर, उपेक्षा और उनके जीवन में रोड़ा बिल्डिंगों तो यह उन्हें अच्छी तरह से समझ लेना होगा। यह सामाजिक संगठनों का उत्तरदायित्व है। आज की पीढ़ी अग्र इसी तरह वृद्धों को अनादर, उपेक्षा और उनके जीवन में रोड़ा बिल्डिंगों तो यह उन्हें अच्छी तरह से समझ लेना होगा कि आने वाले भविष्य के दिनों में वे स्वयं भी वृद्ध अवस्था ही होंगे। तब स्वयं उनके संतानें भी अपराह्न घर के लिये विश्व बूजा होना पड़ता है। आज का युवा वर्ग वृद्धों को पिछले पैदलपें की निशानी समझती है। और उनकी तथा उनके कक्षकर जीवन में द्वारा वृद्धों की उपेक्षा, मानसिक कष्ट उपलब्ध कराना होगा। यह सामाजिक संगठनों का उत्तरदायित्व है। आज की पीढ़ी अग्र इसी तरह वृद्धों को अनादर, उपेक्षा और उनके जीवन में रोड़ा बिल्डिंगों तो यह उन्हें अच्छी तरह से समझ लेना होगा कि आने वाले भविष्य के दिनों में वे स्वयं भी वृद्ध अवस्था ही होंगे। तब व्यवस्था उनके संस्थाओं को अनदेखा करती है। गरीब तथा ग्रामीण परिवेश के वृद्धों की हालत तो और भी खराब है। उन्हें तो दो जून की रोटी या सर छिपाने के लिये घर भी नसीब नहीं होता। उनके घरवाले उन्हें मारे मारे फिरने के लिये विश्व बूजा होने के लिये जाने की घटनायें आम हो गई हैं। वृद्धजन जो उपर भर बैल के समान परिवार की गाड़ी को अपने कंधों पर खोंचता है। अपने संतानों को पाल पोसकर उसे शिक्षा दीक्षा देकर बड़ा पकड़ने के लिये विश्व बूजा होना पड़ता है। उनके जीवन में वे स्वयं भी वृद्ध अवस्था ही होंगे। तब व्यवस्था उनके संस्थाओं को अनदेखा करती है। और जब उसके थक्कहरे उप्रदराज हो चुके शरीर को सहारे की आवश्यकता पड़ती है तो उनकी एहसान परिवार तथा सरकार वृद्धों पर जरूरत है कि अपराह्न वृद्धों की समस्या ही खत्म हो जायें।

## कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान का उन्नाव दौरा

कैदियों व बंदियों के लिए इनडोर गेम की होगी व्यवस्था, जिम , कंप्यूटर क्लासेज के साथ-साथ शिक्षा से जोड़ने का किया जा रहा काम-दारा सिंह



रिपोर्ट मोहम्मद इरफान खान रामाशस्त्री भी मौजूद रहे। इस दौरान कारागार मंत्री को उन्नाव दौरे पर रहे। मंत्री ने कहा कि यूपी की जेलों में जल्द कैदियों व बंदियों के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था, जिम , कंप्यूटर क्लासेज के साथ-साथ शिक्षा से जोड़ने का किया जा रहा है। डीएम उन्नाव गौरांग राठी व एसपी मीना के अपने सहयोगी राज्यमंत्री को उपेक्षा करने के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था के लिए जिम , कंप्यूटर क्लासेज के साथ-साथ शिक्षा से जोड़ने का काम किया जा रहा है। आजपा सरकार में ऐसे प्रदेश में खाने की बड़ी जेल के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था की जारी रखी जा रही है। जेल में जो कैदी हैं, उनके पैतौक विकास करके इनको समाज के पुष्टि क्षेत्रों में वृद्ध होने की उम्मीद रखती है। डीएम उन्नाव गौरांग राठी व एसपी मीना के अपने सहयोगी राज्यमंत्री को उपेक्षा करने के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था की जारी रखी जा रही है।

रामाशस्त्री भी मौजूद रहे। इस दौरान कारागार मंत्री को उन्नाव दौरे पर रहे। मंत्री ने कहा कि यूपी की जेलों में जल्द कैदियों व बंदियों के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था, जिम , कंप्यूटर क्लासेज के साथ-साथ शिक्षा से जोड़ने का काम किया जा रहा है। डीएम उन्नाव गौरांग राठी व एसपी मीना के अपने सहयोगी राज्यमंत्री को उपेक्षा करने के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था के लिए जिम , कंप्यूटर क्लासेज के साथ-साथ शिक्षा से जोड़ने का काम किया जा रहा है। जेल में जो कैदी हैं, उनके पैतौक विकास करके इनको समाज के पुष्टि क्षेत्रों में वृद्ध होने की उम्मीद रखती है। डीएम उन्नाव गौरांग राठी व एसपी मीना के अपने सहयोगी राज्यमंत्री को उपेक्षा करने के लिए इनडोर गेम की व्यवस्था की जारी रखी जा रही है।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता, एडीएम(विडोरो) नरेन्द्र सिंह, एडीएम (न्यायिक) विकास कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, समस्त गण, अन्य अधिकारी गण सहित विभिन्न समुदायों एवं सामाजिक संगठनों के संभ्रान्त विविधकारियों के बीच आवार्ट आदि से गत वर्ष में आवार्ट लक्ष्य के सापेक्ष किये गये कर संग्रह की विस्तृत जानकारी ली गयी। साथ ही लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली करने वाले विभागों की जाए



